

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर 2012

समय : 3 घन्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

- इनमें से किन्हीं चार पर लिखिए :-
 (अ) स्कन्दत्रय से आप क्या समझते हैं?
 (आ) श्रुति और स्मृति
 (इ) वेदांग क्या है? उनके नाम बताइये।
 (ई) वराहमिहिर
 (उ) शकुन
- दृढ़ अदृढ़ एवं दृढादृढ़ कर्म क्या होते हैं? उदाहरण के द्वारा समझाइये।
- ज्योतिषी के क्या-क्या गुण होते हैं और ज्योतिषी किस प्रकार के देश, काल एवं पात्र को महत्व देता है?
- यह ग्रन्थ (पुस्तक) किस-किसने लिखे है :
 (अ) फलदीपिका (आ) बृहत्संहिता
 (इ) जातकपारिजात (ई) ब्रह्मस्फुट सिद्धांत
 (उ) शटपंचाशिका
- क्या ज्योतिष को हम विज्ञान कह सकते हैं? विस्तार से समझाइये।

भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

- इनमें से किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखें :
 (अ) तिथि (आ) वास्तविक सम्पात (इ) क्रान्ति वृत्त
 (ई) खगोलीय ध्रुव (उ) उपग्रह (ऊ) दिग्मांश
 (ए) उत्का पिंड
- सूर्य यदि सिंह राशि में 16° पर स्थित है तो धूम, पात, परिधि, इन्द्रचाप एवं सीखी की उपग्रह स्थिति बताइये।
- सूर्य ग्रहण को चित्र के द्वारा समझाते हुए विस्तार से बताइये।
- आधुनिक पारचात्य खगोल शास्त्र एवं भारतीय पुरातन खगोल शास्त्र में क्या अंतर है? विवेचन कीजिए।
- इनमें से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :
 (अ) ऋतु परिवर्तन (आ) ग्रहों का चक्री होना
 (इ) भचक्र के भाग